सत्र – 2022–23

राजा मानसिहं तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर गायन एवं स्वर वाद्य पाठ्यक्रम

स्वाध्यायी

Sangeetika Junior Diploma in performing art- (S.J.D.P.A.)

PAPER	SUBJECT VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory Music - Theory	100	33
2	PRACTICAL - II Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

Sangeetika Junior Diploma In Performig Art(S.J.D.P.A)

(सुगम संगीत)

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 100

1. भारत में प्रचलित प्रमुख संगीत पद्धतियों की संक्षिप्त जानकारी।
2. सुगम संगीत में प्रयोंग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णनः– बासुंरी, तबला, ढोलक, डफ, मंजीरा, बैन्जो (बुलबुल तरंग), तानपुरा।
3. परिभाषा एवं वर्णन :–
   संगीत, नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, (पल्टे), आरोह, अवरोह, पकड, थाट, राग, आश्रयराग, आलाप, तान।
   1. गीत, भजन, गजल एवं लोकगीत की संक्षिप्त जानकारी, विशेषताएँ एवं तुलनात्मक अध्ययन।
   2. ख्याल, ठुमरी, तराना, कव्वाली, भावगीत, अभंग, रविन्द्र संगीत, नजरूल गीत आदि की संक्षिप्त जानकारी।
   3. पं. भातखण्डे निर्मित स्वरलिपि–ताललिपि पद्धति की जानकारी।
   4. निम्नलिखित तालों का ताललिपि में लेखन :– दादरा, रूपक, कहरवा, एकताल, त्रिताल।
   5. सीखे हुए गीत, भजन एवं गजलों की रचनाएँ लिखकर उनका भावार्थ स्पष्ट करना।
   6. ''वृन्दवादन" (कोरस) एवं "वाद्यवृन्द" की संक्षिप्त जानकारी।
   7. सुगम संगीत विषयक निबंध का लगभग 300 शब्दों में लेखन।
   8. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय :– हरिवंशराय बच्चन, गोपालदास, नीरज, मीराबाई, सूरदास, मिर्जागालिब, बहादुरशाह जफर।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

Sangeetika Junior Diploma In Performig Art(S.J.D.P.A)

(सुगम संगीत)

प्रायोगिक प्रदर्षन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 100

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :– चार गीत, चार भजन, चार गजलें (कुल 12 रचनाएँ) – (प्रत्येक रचना पृथक रचनाकार की होना अनिवार्य है।) (प्रत्येक रचना की संगीत रचना मौलिक हो।)
2. राग यमन, बिलावल, खमाज, काफी एवं भैरव रागों के आरोह अवरोह एवं पकड तथा इनमें से किसी एक राग में मध्यलय ख्याल (5 आलाप एवं 5 तानों सहित) का गायन।
3. भारत में प्रचलित किन्हीं दो प्रदेशों के लाकेगीतों का गायन। (कुल दो लोकगीत, दोनों पृथक प्रदेशों के होना अनिवार्य है।)
4. राष्ट्रगान (जनगणमन) तथा राष्ट्रगीत (वन्देमातरम) (आकाशवाणी अनुमोदित राग देस पर आधारित रचना) का स्वर, लय में गायन।
5. हारमोनियम बजाते हुए दस अलंकारों का गायन।
6. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में पढन्त :– दादरा, रूपक, कहरवा, रूपक एवं त्रिताल।

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	15 अंक
भजन	15 अंक
गजल	15 अंक
लाकेगीत	15 अंक
मध्यलय	10 अंक
राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत	10 अंक
हारमोनियम बजाकर गायन	10 अंक
हाथ पर ताल प्रदर्शन	10 अंक
	.....
	100 अंक
	.....